SWAMI DHARMABANDHU COLLEGE OF EDUCATION

Harhad, Mukundganj, Hazaribagh-825301

ONE-WEEK ONLINE FACULTY DEVELOPMENT PROGRAM

द जोहार टाइम्स

24 जुन 2025

03

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, में वन वीक ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट का शुभारंभ

प्रमोद खंडेलवाल

हजारीबाग : स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (फ्फ।8) के तत्वावधान में "रिसर्च मेथडोलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" विषय पर छह दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (थ्क्च्) का शुभारंभ दिनांक 24 जून 2025 को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन तथा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई।कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं महाविद्यालय के अध्यक्ष, मनोज कुमार यादव (विधायक, बरही) के प्रेरणादायक मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से यह आयोजन संभव हो सका। उनका अकादमिक नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शोध की दिशा में सतत समर्थन इस कार्यक्रम की आधारशिला है।इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों, शोधार्थियों एवं अकादमिक पेशेवरों को आधुनिक शोध विधियों, अनुसंधान डिज़ाइन, डेटा विश्लेषण, अकादमिक लेखन तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की व्यावहारिक समझ प्रदान करना है।कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सरिका कुमारी के स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने इस अकादमिक पहल के महत्व और इसके दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डाला। निदेशक डॉ. मोहम्मद नज़ीर अंसारी ने संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. नीता रजक (सहायक प्राध्यापक,"क्ठब्) ने थ्क्च् की रूपरेखा और उद्देश्यों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। विषय प्रवेश महाविद्यालय के प्राध्यापक मनोज कुमार के द्वारा किया गया।प्रथम तकनीकी सत्र में प्रो. (डॉ.) मोहम्मद तनवीर युनूस (विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग) ने "मात्रात्मक एवं गुणात्मक अनुसंधान पद्धतियों" पर व्याख्यान दिया।"डॉ. युनूस ने शोध के दो प्रमुख आयामों दृ मात्रात्मक और गुणात्मक दृ को इतने सहज और बोधगम्य ढंग से प्रस्तुत किया कि प्रतिभागी शोध की जटिलताओं को सरलता से समझ सके। उनकी प्रस्तुति शोध की दिशा तय करने वाली रही।"द्वितीय तकनीकी सत्र में प्रो. (डॉ.) मृत्युंजय प्रसाद (शिक्षा विभाग, टठन्) ने "अनुसंधान डिज़ाइन एवं सैंपलिंग तकनीकों" पर व्यावहारिक जानकारी साझा की।"डॉ. प्रसाद का सत्र शोध संरचना को समझने का एक उत्कृष्ट अवसर था। उन्होंने उदाहरणों द्वारा यह स्पष्ट किया कि सटीक डिज़ाइन और सैंपलिंग कैसे शोध की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।"दोनों सत्र ज्ञानवर्धक एवं सहभागिता से परिपूर्ण रहे। दोनों तकनीकी सत्रों के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न प्रस्तुत किए तथा मुख्य वक्ताओं द्वारा सभी प्रश्नों का समाधान विस्तारपूर्वक और संतोषजनक ढंग से किया गया।इस आयोजन की योजना और संचालन समिति के संयोजक डॉ. घनश्याम राम (सहायक प्राध्यापक) के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। महाविद्यालय की उप प्राचार्या मिस फौजिया खानम तथा अन्य संकाय सदस्यों का विशेष योगदान रहा। प्रतिभागियों में कार्यक्रम के प्रति अत्यंत उत्साह देखा गया ।

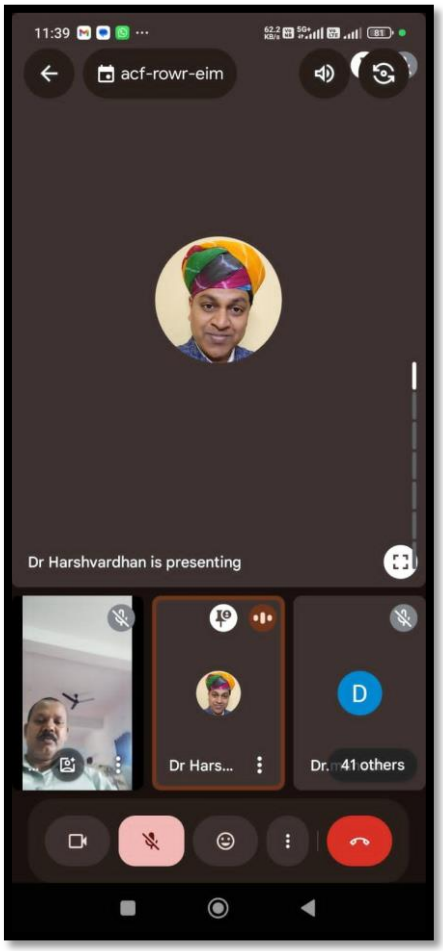

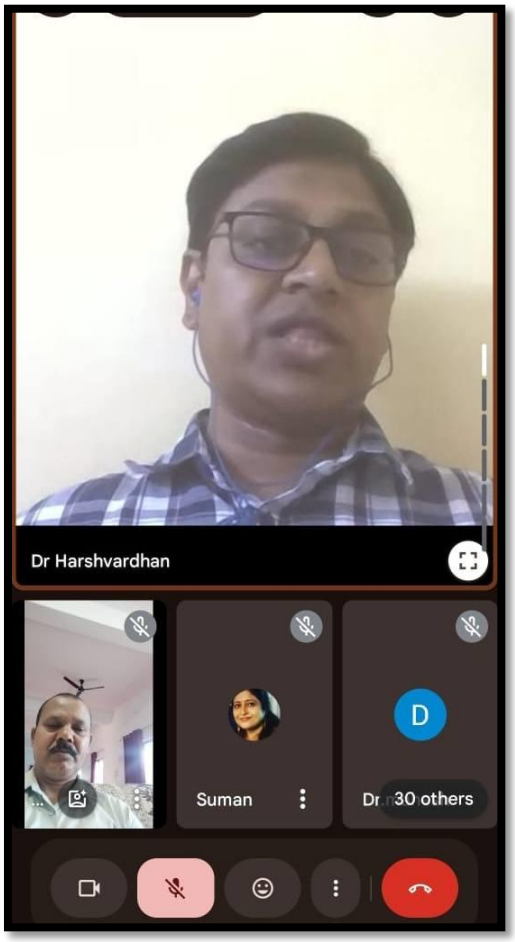

द जोहार टाइम्स
25 जुन 2025
04

साप्ताहिक ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का दूसरा दिन

प्रमोद खंडेलवाल

हजारीबाग : स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (ष्फ।ब्) के तत्वावधान में चल रहे एक सप्ताहीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के द्वितीय दिवस का प्रथम तकनीकी सत्र दिनांक 25 जून 2025 को प्रातः 11:00 बजे आयोजित किया गया।सत्र का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी के प्रेरणास्पद स्वागत भाषण से शुरू हुआ। उन्होंने "सर्वेक्षण एवं प्रायोगिक अनुसंधान में साहित्य समीक्षा की प्रकृति" विषय की उपयोगिता, शोध प्रक्रिया में उसकी भूमिका और आधुनिक संदर्भों में इसके महत्व पर विचार प्रस्तुत किए। मंच संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ घनश्याम राम ने किया इसके पश्चात सहायक प्राध्यापक संजीत कुमार दास ने विषय-प्रवेश के माध्यम से प्रतिभागियों को विषय की पृष्ठभूमि से अवगत कराया और वर्तमान शोध परिवेश में इसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट किया।मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित डॉ. मुक्ता मणि, वरिष्ठ संकाय सदस्य, पी. जी. विभाग, शिक्षक शिक्षा, दरियापुर, पटना (बिहार) ने "सर्वेक्षण एवं प्रायोगिक अनुसंधान में साहित्य समीक्षा की प्रकृति" विषय पर अत्यंत प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शोध में समीक्षात्मक दृष्टिकोण, स्रोतों की प्रामाणिकता, साहित्य समीक्षा की विधियाँ और उसकी वैज्ञानिक प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को विस्तार से समझाया।सत्र अंत में प्रश्नोत्तर एवं संवाद के माध्यम से और भी प्रभावशाली बना, जहाँ प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने शोध संबंधी जिज्ञासाओं का सम. ाधान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की उप प्राचार्य मिस फौजिया खानम का मार्गदर्शन और सक्रिय सहभागिता अत्यंत प्रेरणादायक रही । साथ ही विभिन्न संकायों से जुड़े शिक्षाविद ,तकनीकी टीम तथा प्रतिभागियों के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा

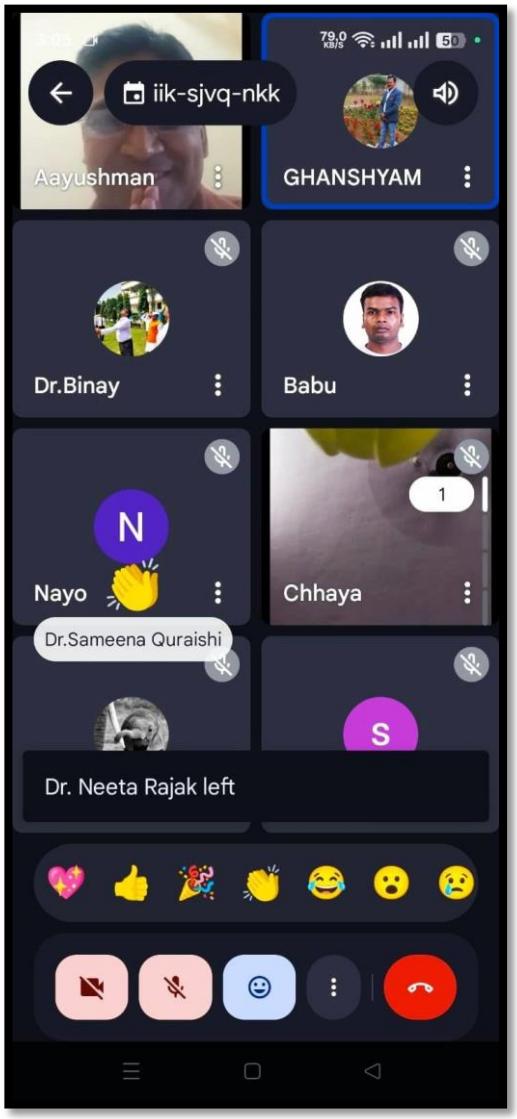

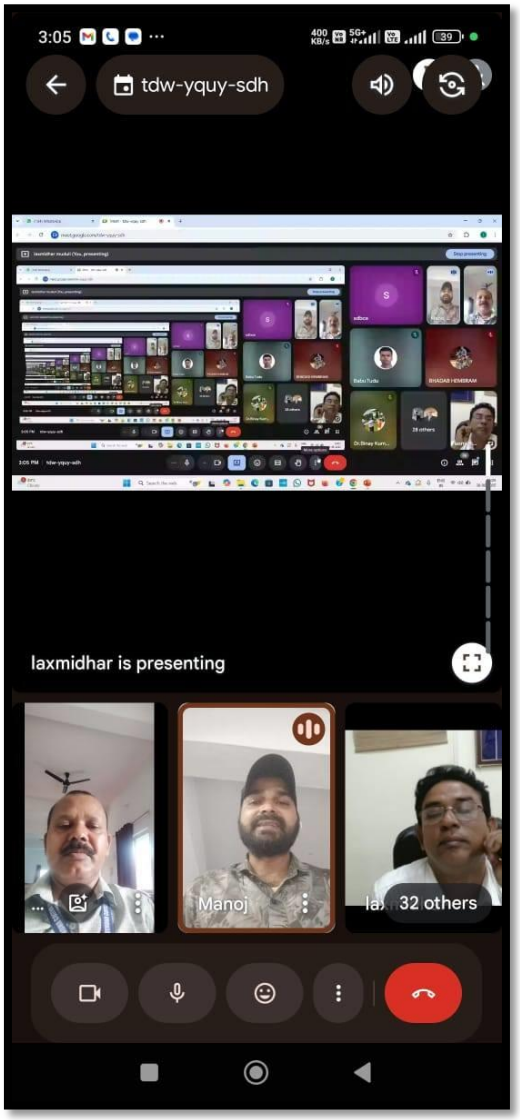

द जोहार टाइम्स

26 जुन 2025

05

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग में फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आज तीसरा दिन

द जोहार टाइम्स

हजारीबाग : स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरहद, हजारीबाग में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (ф।б) के तहत छह दिवसीय ऑनलाइन, फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आज तीसरा दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ । कार्यक्रम का केंद्रीय शीर्षक "अनुसंधान पद्धति एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता" है। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के अध्यक्ष मा. मनोज कुमार (विधायक, बरही) की देख रेख एवं महाविद्यालय के निदेशक डॉ.

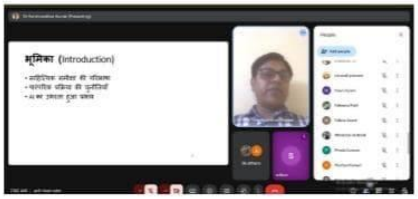

नजीर अंसारी के निर्देशन में तथा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी के नेतृत्व में की जा रही है। कार्यक्रम को प्रभावी बनाने में महाविद्यालय के उप प्राचार्या, मिस फौजिया खानम का महत्व पूर्ण योगदान रहा है। आज का कार्यक्रम दो सेशन में आयोजित कि गई। स्वागत सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सारिका कुमारी ने अपने विचार रखते हुए कहा, कि शिक्षा के क्षेत्र में नए नए तथ्यों का समावेश कर उद्देश्य पूर्ण शिक्षा को प्राप्त करना हमारे महाविद्यालय का लक्ष्य है। जिस पर हम अग्रसर हैं। प्रथम सत्र के रिसोर्स पर्सन डॉ. हर्षवर्धन कुमार (Head] ECE & Ele- Education American India Foundation) ने 'साहित्य समीक्षा प्रक्रिया को बेहतर बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका ' पर अपने विचार रखे। इसमें उन्होंने कहा कि साहित्य समीक्षा के तहत आर्टिफिशियल इंटलीजेंस से हम समय की बचत तो कर सकते हैं, पर उसके प्रयोग को हमें सोच समझ कर करनी होगी। इसकी सीमाओं और सावधानियों का भी हमें ध्यान रखना होगा। आर्टिफिशियल इंटलीजेंस का प्रयोग हम कैसे करें? उसकी जानकारी हमें प्राप्त करनी होगी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. घनश्याम राम (सहायक प्राध्यापक) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापिका सुमन कुमारी सहाय ने वक्ता के स्वागत, परिचय और धन्यवाद के साथ किया। इस कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कई राज्यों और प्रदेशों के छात्रगण, शोधार्थी, और शिक्षकों ने भाग लिया। तथा उसका लाभ उठाया।

फैकल्टी डेवलेपमेंट प्रोग्राम का अन्तिम दिन सफलता पूर्वक सम्पन्न

द जौहार टाइम्स

हजारीबाग : स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरहद, हजारीबाग में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई. क्यू. ए. सी) के तहत छह दिवसीय ऑनलाइन, फैकेल्टी डेवल. पमेंट प्रोग्राम का अन्तिम दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ । यह कार्यक्रम "अनुसंधान पद्धति एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता" विषय पर आधारित है।कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के अध्यक्ष मा. मनोज कुमार (विधायक, बरही) की देख दृ रेख, एवं महाविद्यालय के निदेशक डॉ. नजीर अंसारी के निर्देशन में तथा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी के नेतृत्व में की जा रही है।

कार्यक्रम को प्रभावी बनाने में महाविद्यालय की उप प्राचार्या, मिस फौजिया खानम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज का कार्यक्रम भी दो सत्र में आयोजित की गई। आज अंतिम दिन के कार्यक्रम में महाविद्यालय के निदेशक डॉ. नजीर अंसारी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि, 'महाविद्यालय इस प्रकार के नवीन कार्यक्रमों का आयोजन करने हेतु प्रतिबद्ध है, जिससे नएदृ नए ज्ञान से छात्रदृशिक्षक ओतदृप्रोत हों।' कार्यक्रम सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने अपने विचार रखते हुए कहा, की 'जब तक हम नएदृनए तकनीकी ज्ञान से नहीं जुड़ेंगे तब तक हम शैक्षिक लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त नहीं कर सकते हैं।'

प्रथम सत्र के रिसोर्स पर्सन प्रो. रमाकांत मोहालिक ने ''सहायता प्राप्त लेखन में समानता और साहित्यक चोरी से बचने के लिए उपकरण और रणनीतियाँ'' पर अपने विचारों को रखते हुए कहा कि, लेखन में तथ्यों को अपने शब्दों में ही समाहित करनी चाहिए। लेख पूरा होने के बाद लेख को स्वयं से जांच कर लेनी चाहिए, क्योंकि साहित्यिक चोरी से बचना केवल नैतिक ज़िम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह आपकी अकादमिक और पेशेवर ईमानदारी का प्रतीक भी है। सही उपकरणों का उपयोग और जिम्मेदारीपूर्ण लेखन से ही मौलिकता सुनिश्चित की जा सकती है।